were taken as stenographers their rank was up to 20—7, 10, 12, 14, 15, 20, whereas those who were not absorbed, their rank was 164, 267, 365 and 443. The Scheduled Caste candidates rank was 374 and 376.

SHRI M. P. BHARGAVA: May I know from the hon. Minister when the 6 appointments had been made? The subsequent examinations of 1963 and 1964 had also been held and these persons were left out and recruits from the 1963 and 1964 examinations were offered appointments when there were vacancies which could have been given to these people,

DR, RAM SUBHAG SINGH: As I indicated, the list which comes to us from the Union Public Service Commission or the Home Ministry, we adhere to that though, of course, this ranking is taken into consideration.

श्री राम सहाय : क्या मैं मंत्री महोदय से यह जान सकूंगा कि जब आपके यहां जगहें खाली नहीं रहती हैं तो आप पब्लिक सर्विस कमीशन को यह सूचना देते हैं या नहीं कि हमारे यहां किसकी आवश्यकता है या नहीं है और अगर आप देते हैं तो फिर इस तरह से ज्यादा लोग कैसे आ जाते हैं ?

डा० राम सुभग सिंह : जगह खाली होने की उम्मीद पर ही सूचना दी जाती है लेकिन जैसा मैंने उत्तर में बताया 15 की उम्मीद थी लेकिन पूरक रिव्यू के बाद 8 की जरूरत बता दी गई थी और रैंकिंग, जैसा कि पब्लिक सर्विस कमीशन के और बहुतेरे एग्जामिनेशन्स में होता है, आई० ए० एस० और आई० एफ० एस० वगैरह के एग्जामिनेशन्स में भी है, बाज बाज आदमी जो बहुत लोअर रैंक के होते हैं उनका सवाल कठिन हो जाता है ।

WORSTED SPINNING MILLS

*467. SHRl ABDUL GHANI: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state the number of wrost-ed spinning mills in the country which are preparing yarn for weaving purposes and the percentage of yarn consumed by these mills?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI MANUBHAI SHAH): Thirty-five mills in the country are producing worsted weaving yarn; they are at present allowed to consume worsted weaving yarn, in the same proportion in which they consumed such yarn during the period October 1960 to September 1961. The consumption percentages vary from nil to 100 per cent depending upo$_n$ their weaving capacity and their past consumption.

شری عبدالغنی : کیا وزیر صاحب فرمائینگے کہ کیا ان کے نوٹس میں ایسی بات آئی ہے کہ جس کی پہلے جو ویونگ کیپیسیٹی تھی یا ویونگ کے لئے یارن تیار کیا کرتے تھے ان میں کچھ کو تو سینٹ پرسینٹ اجازت دی گئی ویونگ کا دھاگا تیار کرنے کی اور کچھ کو ۲۰ پرسنٹ سے بھی لیس اجازت دی گئی - ایسی کوئی کمپلینٹ آئی اور اگر ایسا ہے تو کیوں اور کس وجہ سے ہے ؟

†[**श्री अब्दुल गनी**: क्या वजीर साहब फरमाएंगे कि क्या उनके नोटिस में ऐसी बात आई है कि जिसकी पहले जो वीविंग केपेसिटी थी या वीविंग के लिए यार्न तैयार किया करते थे उन में कुछ को तो सेंटपरसेंट इजाजत दी गई वीविंग का धागा तैयार करने की और कुछ को 20 परसेंट से भी लेस इजाजत दी गई। ऐसी कोई कम्पलेंट आई और अगर ऐसा है तो क्यों और किस वजह से है ?]

†[ ] Hindi transliteration.

श्री मनुभाई शाह : कम्पेलेन्ट तो जो जिसको अलाट किया जाता है और उस से वह संतुष्ट नहीं है, उसकी फरियाद जरूर आती है । जो प्रिंसिपल एक्सेप्ट किया गया वह यह था कि जब कि बूल की इतनी मांग देश में हैं और इम्पोर्ट बहुत लिमिटेड है तो सर्टेन बेसिक प्रिन्सिपल्स पर सबको अलाटमैन्ट किया जाय वे बेसिक प्रिन्सिपल्स यह है कि : . . . .

Each spinning mill or composite mill should produce at least 35 per cent, hosiery yarn, if it has the technical capacity to do so. Similarly, each mill should produce at least 20 to 40 per cent, of the weaving capacity. And in the light of that all are being treated a'ike.

شری عبدالغنی : کیا وزیر صاحب فرمائینگے کہ کیا ان کے نوٹس میں یہ بات آئی ھے کہ جن کو ۱۰۰ فی صدی تک یارن کنزمپشن کے لئے دیا گیا ھے ان کو وھاں پر پاور لومس بھی دی گئی ھیں تاکہ وہ اپنے آپ ھی ویو کر سکیں لیکن انہوں نے وہ ویو نہیں کیا اور جو دھاگا بچا اس کو مارکیٹ میں بیچ کو بہت زیادہ روپیہ بنایا - سرکار نے جب اس دھاگے کو ۱۲ روپیئے میں بیچنے کی اجازت دے رکھی ھے تو وہ لوگ ۲۴ روپیئے میں بیچتے ھیں اور اس طرح سے ۱۲ روپئے زیادہ لیتے ھیں - اس پر بھی وہ نہ صرف ٹیکس دیتے ھیں اور نہ ھی انکم ٹیکس دیتے ھیں - تو میں یہ جاننا چاھتا ھوں کہ سرکار کے نوٹس میں اس طرح کی بات آئی ھے یا نہیں ؟

†[**श्री अब्दुल ग़नी**: क्या वज़ीर साहब फरमाएंगे कि क्या उनके नोटिस में यह बात आई है कि जिनको 100 फीसदी तक यार्न कन्ज़म्शन के लिए दिया गया है उनको वहां पर पावरलूम्स भी दी गई हैं ताकि वे अपने आप ही वीव कर सकें लेकिन उन्होंने वह वीव नहीं किया और जो धागा बचा उसको मार्किट में बेच कर बहुत ज्यादा रुपया बनाया। सरकार ने जब इस धागे को 12 रुपये में बेचने की इजाजत दे रखी है तो वे लोग 24 रुपये में बेचते हैं और इस तरह से 12 रुपये ज्यादा लेते हैं। इस पर भी वे न सिर्फ टेक्स देते हैं और न ही इंकम टेक्स देते हैं । तो मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार के नोटिस में इस तरह की बात आई है या नहीं ?]

श्री मनुभाई शाह : हमारे पास ऐसी कोई शिकायत नहीं आई है और हमने किसी को पावरलूम्स बढ़ाने की इजाजत नहीं दी हैं । जो ज्यादा कन्ज्यूम करता है उसको ज्यादा धागा दिया जाता है और जो कम कन्जूयम करता है उसको कम धागा मिलता है ।

उपसभापति : श्री सावनेकर ।

شری عبدالغنی : میں یہ جاننا چاھتا ھوں -

†[श्री अब्दुल ग़नी : मैं यह जानना चाहता हूं .....]

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have called another Member to ask a question.

شری عبدالغنی : میڈم ڈپٹی چیر مین — میرے سوال کا جواب نہیں آیا ھے - میں جاننا چاھتا ھوں جن کو ویونگ یارن ویو کرنے کے

t[ ] Hindi transliteration.

لئے دیاگیاتھا اس کو انہوں نے ویو نہیں کیا اور مارکیٹ میں اس کو بلیک میں بیچ دیا اور بلیک میں روپیہ کمایا - کیا اس طرح کی بات سرکار کے نوٹس میں آئی ہے ?

†[**श्री अब्दुल गनी:** मेडम डिप्टी चेयरमैन, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया है । मैं जानना चाहता हूं जिन को वीविंग यार्न वीव करने के लिए दिया गया था उसको उन्होंने वीव नहीं किया और मार्किट में उसको ब्लैक में बेच दिया और ब्लैक में रुपया कमाया । क्या इस तरह की बात सरकार के नोटिस में आई है ?]

श्री मनुभाई शाह : हमारे पास ऐसी कोई शिकायत नहीं आई है कि जो कोटा हमने वीव करने के लिए दिया था उसको ब्लैक में बेच दिया गया है । यह सब लोगो की जानकारी में है कि हमारे पास वीव करने के लिए ही मांग आई है और बेचने के लिए कोई फरियाद नहीं आई है ।

श्री बी० एस० साबनकर : क्या मैं माननीय मंत्री जी से यह जान सकता हूं कि जिनको स्पिनिंग का लाइसेंस प्राइवेट सेक्टर में दिया गया है उनके लाइसेंस की मुद्दत खत्म होने के बाद बढ़ाई जायेगी ? क्या इस तरह का एटिट्यूड सरकार का है ?

श्री मनुभाई शाह : ऐसी कोई बात नहीं है । जो कानून के मुताबिक इफेक्टिव स्टेप्स लेते हैं उनको लाइसेंन्ज जारी किया जाता है और जो इफेक्टिव स्टेप्स नहीं लेते हैं उनका लाइसेंस रद्द हो जाता है ।

شری عبدالغنی : کیا وزیر صاحب فرمائینگے کہ کیا ان کے نوٹس میں یہ بات آئی ہے کہ جن کا کنزمپشن زیادہ تھا ان کو کنزمپشن کے مطابق نہیں دیا گیا - جس کی وجہ سے انہیں کافی نقصان ہوا - اگر یہ بات ان کے نوٹس میں آئی ہے تو کیا ایسے لوگوں کو کمپنسیٹ کرینگے تاکہ ان کو کسی طرح سے ان کا حق مل جائے اور دوسرے لوگوں کی طرح ان کے ساتھ بھی انصاف ہو جائے ?

†[**श्री अब्दुल गनी:** क्या वज़ीर साहब फरमाएंगे कि क्या उनके नोटिस में यह बात आई है कि जिनका कंजम्प्शन ज्यादा था उनको कंजम्प्शन के मुताबिक नहीं दिया गया । जिसकी वजह से उन्हें काफी नुकसान हुआ । अगर यह बात उनके नोटिस में आई है तो क्या ऐसे लोगों को कम्पनसेट करेंगे ताकि उनको किसी तरह से उनका हक मिल जाए और दूसरे लोगों की तरह उनके साथ भी इन्साफ हो जाए]

श्री **मनुभाई शाह** : सब को एक ही कैटेगरी से जज किया जाता है । मैं माननीय सदस्य की यह बात मानता हूं कि बंटवारा करते समय सबको पूरी तरह संतुष्ट नहीं किया जा सकता । यह बात गलत है कि जो बड़े आदमी हैं उनको छोटे आदमियों के मुकाबले में ज्यादा रियायत दी जाय गई है । जब सदन चाहता है कि छोटे आदमियों को रियायत दी जाय और जब उनकी मदद की जाती है तो फिर यह शिकायत आती है कि बड़ों की मदद क्यों नहीं की जाती और जब बड़ों की मदद करते हैं तो फिर छोटों को मदद न करने की शिकायत आती है ।

t[ ] Hindi transliteration.